



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड / Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00780881

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : BANNA VENKATESH

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

21/08/2024

निबंध ESSAY

केंद्र
Centre

HYDERABAD (01C)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हार्शिय में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

THE WORLD MUST LEARN TO WORK TOGETHER, OR
FINALLY IT WILL NOT WORK AT ALL

It is 2098 AD in the city of Shambala,
on the banks of river Ganga, which turned into
a dead desert due to drying up of river. A
small boy came across a historical piece of
record which talked about 2000's and the
speeches of community and international leaders
about their commitment ^{arrest} for climate change.

A lot has flown under water and controversy happened but no concrete action was taken.

⁶²
Rivers are left, land is polluted and biodiversity is on the verge of extinction, boy shakingly holding that piece of record, started to curse ancestors for their inaction that brought doom upon them.

The above story is a perfect example to showcase that world must learn to work together, or finally it will ^{not} work at all.

Inaction of present generations to work together will cause irreversible damage to future generations as highlighted in the above story.

In this essay, we will explore why the world needs to work together to address the challenge. We will also explore how

Working at an individual level will also benefit the society and he will ^{also} employ how to proceed into the future through collective and collaborative actions for human progress.

WORKING TOGETHER TO AVOID FAILING TOGETHER

Humanity is facing the greatest challenge of 21st century in the form of climate change, pollution and biodiversity loss (triple planetary crisis).

This crisis, shows no boundaries and going to impact every one in the same way irrespective of political, economic (or) social differences among countries. Coming together to address these challenges through financial, technical and human resource support is paramount to avert an irreversible crisis for the generations to come

One of the significant implications of this crisis is the emerging regional disparities among countries in terms of economic, political and social challenges.

"Poverty anywhere is a threat to prosperity everywhere"

Hunger is the worst form of injustice and discrimination against humanity. FAO
hunger hotspots surge on the impact of hunger, particularly in less developed countries in Africa, represent crucial challenges that humanity as a whole should come and address together otherwise it will spillover and going to threaten the foundations of governments by revolts and strikes.

Fuelled by regional inequalities, the issue of terrorism is wreaking havoc

across the world based on faulty religious ideologies causing widespread destruction and loss of lives. Organisations like Al-Qaeda, ISIS, wage war against peaceful civilian community to fulfill their vested agendas. World should come together to fight this worst form of war against humanity, failing to do so will have serious repercussions for the whole of humanity.

Similarly, world today is facing with issue of gender inequality manifested in various forms like low female labour force participation, sexual violence against women, patriarchal mindsets, hindering progress of women community. This is having serious implications for the overall economic and social progress of

the world, because half of the world's community is bottled up and we lose their intellectual capabilities in augmenting our progress. This has to be addressed to realise the full potential of navishakti in human progress and endeavours.

21st century also witnessing the tragedies of ancient world in the form of Wars.

Those who fail to learn from history are doomed to repeat it.

There are no winners (or) losers in war.

There is only loss on both the sides and the most vulnerable on both sides, like women and children have to pay the price with their lives and livelihoods. It is imperative that dialogue and diplomacy should be the mantra to settle out disputes, not war, which can

be least afforded by anyone.

Similarly, we are increasingly getting polarised in this era of globalisation with differences between world countries emerging in the form of trade wars, protectionism and selective globalisation tensions witnessed today among countries. Cold war politics of USA and Russia are emerging in new variants like trade wars between USA and China, proxy powerplay in regional conflicts like Israel-Hamas which will hurt everyone in this interconnected world. These impacts are manifested in the form of supply chain disruptions in essential commodities like wheat supplies to Africa, threatening food security of vulnerable communities, which is already impacted by climate change.

This brings us to a dilemma as whether only collective actions can bring a positive change for the future. The answer is No.

Individual efforts ^{by countries} also bring positive change, that works for all, rather than for few

WORKING IN SILOS: CONTRIBUTING TO COLLECTIVE

The most prominent example is the development of science and technology by few countries, which in today's world is transforming every country due to its spread. Inventions like Steamengine, Spinning wheel of industrial revolution of Britain contributed towards economic growth of Europe as well as world, thus bringing a working change.

Similarly, in the field of health and wellbeing, India has shown way to the world, ~~the~~ through development of

Yoga, Ayurveda etc which transformed the lives of billions worldwide. Today, they play a crucial role in spreading India's softpower, at the global arena.

Also, in the field of agriculture, green revolution, pioneered by Mexico, today helped to address the global issue of food security, thus eradicating hunger in most of the countries including India which is a net food exporter today, which is not the case five decades back.

Similarly, in the advancement of human rights, the ideals of French revolution which emphasises on liberty, equality and fraternity has influenced many democracies worldwide.

, putting the collective interests of all humans above, thus fighting autocracy, authoritarianism and tyranny of elected governments.

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Seeing the reasons why collective action is needed to bring working change and how individual actions also works for the above cause, we must ponder on ways going forward that can support the cause of collective advancement of humanity.

WAY FOR THE FUTURE

Sustainable development, with emphasis on economic growth as well as environmental conservation ^{should be} the mantra for the future. Institutions like UNFCCC, UNCCD that fight against negative impacts of climate change should be strengthened

to secure our collective interests for the future.

Peace and prosperity is crucial to achieve long lasting change. Institutions like UNSC, which will provide hope in times of distress, should be made more inclusive with representation from India, Africa union who can champion the cause of Global South.

Challenges like terrorism, piracy, organised crime should be tackled by international collaborations that fight together to address above issues. Regional organisations like Shanghai Cooperation Organisation (SCO) with dialogue and debate among all partners, can play a significant role in its fight against above issues.

Gender justice is also crucial for the

equitable progress of humanity and all steps should be taken to ensure that women gets their due place and recognition in this trinity. Measures like permanent commission in army for women can act as guiding initiatives for the world to follow.

If we truly follow the above paths, future of Shambhala (2015 AD) will be a different story altogether with prosperous communities, thriving by blessings from mother Ganga with advanced cultures which are guiding civilisations across the world, giving hope of peace and prosperity. May we all work together to realise the above vision through collective and collaborative efforts of humankind.

“Sarve jana sukino bhavantu”

(May all ~~be~~ ^{have} peace and prosperous life.)

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

TO BE YOURSELF IN A WORLD THAT IS CONSTANTLY TRYING TO MAKE YOU SOMETHING ELSE IS THE GREATEST ACCOMPLISHMENT

— Ralph Waldo Emerson

This is the story of a small town boy in Jharkand, who was born in a middle class family. Like every other parents, he was also conditioned to do well at academics, get a decent job and secure family in the future. But, the boy had different plans. He left

his ticket collector job in Kharaypur, which he got through difficulty and pursued his interest in cricket, despite opposition from his father. He was successful in his pursuit and became trophy collector for India from ticket collector. He is none other

than the cricketing legend Mahendra Singh Dhoni, who retired as one of the most successful cricket legends of all time, earning the reputation of cool captain and millions of fans, fondly calling him thala dhoni.

Above story of M.S. Dhoni aptly describes the theme of essay, exemplifying why it is important to be ourselves in this world, where everyone tries to dictate and make us someone else, even at the expense of losing oneself.

WHY IT IS DIFFICULT TO REMAIN OURSELVES?

Society expects different things than we want for ourselves. It shapes our perceptions about what is success (or) failure and who is successful. A billionaire like Elon Musk, is considered successful and expects everyone who want to be successful to be judged on similar financial lines, though it does not make sense to a simple living man in a rural area who wanted to be peaceful and happy with his limited livelihood options. This constant, unsettling feeling of meeting societal expectations will make ^{it difficult for} ourselves to remain our true self.

Social media, on the other hand is a greatest lie that snatches our true self

away from us. People, usually post their happiness, achievements and great accomplishments through posts on Instagram, Twitter, LinkedIn which only covers the partial truth. No one wants to show their lows, downside. It is this, constant pursuit of happiness (or) fame (or) recognition from followers, making oneself ~~is~~ emulating the lives of others by losing his oneself.

Similarly, cinema has a significant influence, particularly on the adolescents who try to get influenced by their lead actors ~~or~~ superstars and copy their mannerisms in real life. For example, it is considered cool to smoke, drink, pass objective comments on women to get popularity by youth.

In this pursuit, they end up ^{trying to} ~~live~~ live lives of others, without realising their ~~lives~~ ^{lives} themselves.

Our education system and institutions ^{are} also responsible for this trend. They try to define what is success (or) what is appreciated in this world from the perspective of materialism and fame, often ignoring the unique potential, abilities and aspirations of each and every individual. For example, in a school, a student who achieves good grades is often shown as a successful student and others are asked to emulate him. Good grades mean nothing to a student, who wanted to excel in sports (or) music (or) arts. They have different parameters of success and should be encouraged in their own ways.

Often, this pursuit of becoming someone else will end up in disastrous consequences if left unattended.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

NEGATIVE IMPLICATIONS OF PURSUING SOMEONE ELSE'S LIFE:

Self-doubt about one's own capabilities will come up when an individual fails to successfully emulate someone else's life.

"Comparison is the thief of joy." This self-doubt will kill more dreams than failure ever will, making individual fail to realise his true self and potential.

Anxiety, depression etc are outcomes of such actions when we cannot meet the aspirations (or) expectations that society sets for us. This will lead to severe consequences like suicide as we

experience today. Tens of students die every year in Kota, preparing for competitive exams like JEE, NEET who fail to get scores. These may be brilliant sports persons, actors, artists among them, but they consider themselves as failure by seeing through the societal lens, failing to understand their potential.

Diversity is the growth engine of a society. If everyone acts or thinks in a similar fashion, nothing worthwhile can be made (or) no discovery can happen. If everyone accepts tyranny, authority, there can be no Mandela or no Gandhi, who can come up and fight for freedom and rights. Individual's uniqueness is the society's collective strength, which is usually lost in this mad pursuit.

Herd mentality, the outcome of following someone's actions, ideologies is affecting societies worldwide. Very few will realise the life cycle of perpetuating bondage and slavery where we born, go to school/college to get educated, get a job, raise kids, retire at old age and die, which is to be repeated by the next generation. Only few get liberated from this mechanical cycle and pursue their life in fullest form and attain salvation.

Having gone through the negative implications of trying to live someone's life, it is important that we understand why we should be ourselves.

"No one can play your role better than yourself"

It is through constant introspection that we can realise our true potential. If Sachin Tendulkar, fails to realise his skills at sports and pursue some other profession, today, we would have missed a legend, who with his mastery, entertained the cricketing world for decades.

Self awareness and belief in self potential is the key to bringing positive change in one's life. We must contemplate and work towards mechanisms that help in bringing our talents, capabilities which can work for individual as well as collective benefit.

PATH FOR THE FUTURE : WHERE SELF IS ENLIGHTENED

Right upbringing at the family level will go a long way in achieving the objective.

Uniqueness of every child should be given due respect and steps should be taken to nurture the same. Legends like A.R. Rahman who creates magic with his music are a product of this right upbringing, that focuses on their unique strengths and nurturing them.

Institutions like school, workplace etc. should uphold diversity and promote every individual on their strengths, not to train them for achieving some uniform results.

Japanese concept of chi-ku-tau which focuses on virtue, skill, capabilities and holistic wellbeing should guide curriculum at schools in India which focuses on comprehensive all around development of children.

Society should embrace diversity and develop acceptance of every individual

Rather than forcing individuals to meet its expectations. Scientifism, rationality should guide societal discourse, not traditional axioms and dogmas.

Finally, It is the individual, that who should realise their true worth and work towards their growth from within, not looking for any external model that is to be replicated. Positive learnings from inspirational figures should be incorporated in their own personal growth. Indians can learn from leaders like Gandhi, A.P.J. Abdul Kalam, Sardar Patel, Mother Teresa etc. But, should not try to replicate them. They should grow in their own style and contribute in their unique ways for growth.

As Albert Einstein once said

"If you compare a fish by its ability to climb a tree, it will live its whole life, thinking, it is stupid."

Every individual is unique in their own ways. It is important that, that spark should be ignited, which will awaken the hidden potential and talents in them, which can be diverted towards individual and collective good. We talk about demographic dividend in India and its potential.

It should be leveraged by tapping onto potential of everyone so that the ideal of Viksit Bharat by 2047 will be a reality and we all have our roles to play in that holy journey.

SPACE FOR ROUGH WORK

Intro: As a result of the...
human... to...
...

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

To be successful in a world that is constantly trying to make you something else is a accomplishment in itself
 — Rely on what Emerson

Info: M.S. Dhoni story (Ticket collector to Test cricketer)

- Why it is important to be ourselves
- 1) Realisation of true potential
 - 2) Divorces us from the world for surviving.
 - 3) Negative in
 - 4) Thrust to meet the demand
 - ↳ family issues, etc.
 - 5) Depression, anxiety
 - 6) Self-doubt
 - ↳ don't believe dreams will
 - 7) The future will
 - 8) Perception of success

- Why it is difficult
- ↳ Social pressures
 - ↳ expectations family
 - ↳ Social media
 - ↳ past & future
 - ↳ Role models
 - ↳ parents, teachers
 - ↳ Aspirations
 - ↳ education, etc.
 - ↳ educational systems, here mentality
 - ↳ judging people based on
 - ↳ income, wealth

- What can be done
- ↳ Self analysis, Value
 - ↳ Value of life
 - ↳ Appreciation of money
 - ↳ Regular learning
 - ↳ Key institutions
 - ↳ family, school, workplace
 - ↳ 1) Upbringing

Conclusion:

Einstein quote

No one can plan your life better than yourself

2) produce of my dream

SPACE FOR ROUGH WORK

World must learn to work together. or find it will work - all

Intro: Homecoming

Group.

→ Environment, p.w. b. d. g

→ Climate change → 2015

→ Wars ✓

→ Trade ✓

→ Gender ✓

→ Repro. health (sex, h. p.) → work bears

→ terrorism

→ Wars

(Answers)
→ technology progress ✓

→ Knowledge system
(70%, 100%) ✓

1-1/2

Conclusion

1. Vondhain
Kutubakha

Service on
Subbed

→ UN Peace (Coun. h. e) ✓

→ Sustainable goals, 2nd structure

→ Various Sustainable Cooperation
↳ 17 goals ↳ SDG

→ Dev. goals

↳ work of dev cooperation

→ Equal shares of benefits

↳ Work, ignore part

Practical action

Intro:

It is 2000 → 2015 → 2030 → 2050

historical records

→ crossing the boundaries for their...
City Shambles → Shambles 2018 AD →

2018 AD in the city of Shambles...
The main...
www.visionias.in